# INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

| Class: IX | Department: Hindi | Date of submission: NA |
|---|---|---|
| Worksheet No. Revision | Topic: अपठित गद्यांश | Note: Pl. file in portfolio |

**प्रश्न - (क) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

लोभ और अहं किसलिए, जबकि एक दिन सब कुछ यहीं छोड़कर जाना है। लोभ का कोई अंत नहीं। जब सिकंदर जैसे लोग नहीं ले जा पाए तो इतनी धन सम्पदा की लालसा करने से क्या लाभ ? यह एक अंधी दौड़ है, जिसमें आप कितना भी आगे निकल जाएँ, फिर भी किसी से आप पीछे रहेंगे ही और अंत में सभी कुछ यहीं छोड़कर चले जाएँगे। इसलिए ज्ञानी – संत कह गए हैं कि हमें अपनी आवश्यकताओं और कामनाओं को सीमित करना चाहिए, क्योंकि वे तो अंतहीन हैं और आप उसके भँवर में फँसकर अपनी सुख – शांति सब खो देंगे। यदि व्यक्ति परिग्रह – रहित जीवनयापन करे, यदि वह यह मानकर चले कि उसका कुछ नहीं है, यह तो ईश्वर की देन है और वह इसका एक अभिरक्षक या संरक्षक है, तो वह खोने-पाने के तनाव से मुक्ति पा सकता है। गीता में कहा गया है – मैं कौन हूँ, मैं क्या लाया था, मैं क्या ले जाऊँगा ? यदि हम अपने जीवन को तनावरहित और खुशहाल बनाना चाहते हैं तो हमें व्यर्थ की धन – वैभव की लालसा और लोभ छोड़कर जीवन को ईश्वर की अमानत समझकर, ईश्वर का आशीर्वाद समझकर दूसरों की भलाई करते हुए एक संरक्षक की तरह कर्त्तव्य का निर्वाह करते हुए जीवनयापन करना चाहिए।

**प्रश्नः 1. गद्यांश में लेखक ने लोभ के बारे में कहा है कि -** **1**

(क) यह अंधी दौड़ है
(ख) 100 मीटर दौड़ है
(ख) अच्छी दौड़ है
(घ) सीधी दौड़ है

**प्रश्नः 2. ज्ञानी संत क्या कह गए हैं ?** **1**

(क) कामनाओं का विस्तार करो
(ख) कामनाओं को दोगुना करो
(ग) आवश्यकताओं को सीमित करो
(घ) सभी सही

**प्रश्नः 3. मनुष्य को क्या मान कर चलने की सलाह दी गई है ?** **1**

(क) कि वह एक संरक्षक है
(ख) कि वह एक भक्षक है
(ख) कि वह एक तक्षक है
(ग) कि वह एक क्षेत्र रक्षक है

**उपर्युक्त गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए -**

**प्रश्नः 4. लाभ-हानि की सोच से कैसे मुक्त रहा जा सकता है ?** **2**

**उत्तर -** .....

.....

**प्रश्नः 5. जीवन को ईश्वर की अमानत क्यों कहा गया है ?** **2**

**उत्तर -** .....

.....

**2 {ख{ उचित स्थान पर अनुस्वार चिह्नों का प्रयोग कीजिए –**

सख्या - ..... निरतर -.....

सग - ..... सबध - .....

}1} उचित स्थान पर अनुनासिक चिन्हों का प्रयोग कीजिए-

माग टाग ऊचा आख

}2{ दिए गए उपसर्गों से दो शब्दों का निर्माण कीजिए-

निर् - ..... ..... अप - ..... .....

सु - ..... ..... कु - ..... .....

सह - ..... .....

}3} दिए गए प्रत्ययों से दो शब्दों का निर्माण कीजिए-

इत- ..... ..... ई -..... .....

इक - ..... ..... इन - ..... .....

आई - ..... .....

}4{ लाघव तथा उपविराम के चिह्न लिखिए-

}5} उपयुक्त विराम चिह्न लगाइए-

{१} मनु बोला मैं सदा सच बोलता हूँ {२} हे ईश्वर इन्हें सद्बुधि दो

{३} छि यहाँ कितनी गंदगी है {४} वाह क्या दृश्य है